संख्या- 47 / 2026/1323/ सत्रह-म-2026- (क0सं0-2014750)

प्रेषक,

मुकेश कुमार मेश्राम,
अपर मुख्य सचिव।
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा मे,

महानिदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तर प्रदेश।

मत्स्य उत्पादन अनुभाग

लखनऊ:दिंनाक 07 अक्टूबर सितम्बर, 2026

विषयः उ०प्र० फिशरीज प्रोजेक्ट सेंटर योजना के संचालन/ कार्यान्वयन हेतु मार्ग- निर्देश।

महोदय

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या- 456/नि0शा0/ वर्ल्ड फिश/ 2026-27 दिनांक 28 जुलाई, 2026 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उ०प्र० फिशरीज प्रोजेक्ट सेंटर योजना के संचालन हेतु राज्य सरकार-मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश एवं वर्ल्ड फिश के मध्य "समझौता ज्ञापन" (MoU) के कार्यान्वयन हेतु सम्यक विचारोपरान्त क्रियान्वयन/संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

2- उ०प्र० फिशरीज प्रोजेक्ट सेंटर योजना के संचालन हेतु राज्य सरकार-मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश एवं वर्ल्ड फिश के मध्य "समझौता ज्ञापन" (MoU) के क्रियान्वयन से सम्बंधित विवरण/ दिशा- निर्देश निम्नवत हैं-

1. योजना का उद्देश्य

प्रदेश के गोरखपुर जनपद में प्रस्तावित वर्ल्डफिश उत्तर प्रदेश मत्स्य परियोजना केंद्र स्थापित करने का उद्देश्य मछली और बीज उत्पादन को बढ़ाना, क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना, मछली पालकों की आजीविका में सुधार करना और अनुसंधान, प्रशिक्षण और बाजार संबंधों के माध्यम से टिकाऊ मत्स्य पालन पद्धतियों का समर्थन करना है। वर्ल्डफिश परियोजना केंद्र के स्थापित होने से मत्स्य उत्पादकता, स्थिरता, आय और खाद्य सुरक्षा, प्रशिक्षण और विस्तार सेवाओं के माध्यम से किसानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, संस्थानों और मत्स्यपालन मूल्य श्रृंखला के हितधारकों की क्षमता को मजबूत करना। प्रस्तावित वर्ल्डफिश उत्तर प्रदेश मत्स्य परियोजना का मुख्य उद्देश्य है :

- मछली और मत्स्य बीज उत्पादन पर केंद्रित अत्याधुनिक मत्स्य अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना।
- उत्तर प्रदेश भर में गुणवत्तापूर्ण बीज की आपूर्ति के लिए हैचरी विकास और फिंगरलिंग गुणन का समर्थन (बीज) करना।
- मत्स्य विभाग के अधिकारियों एवं मत्स्य पालकों को तकनीकी प्रशिक्षण और विस्तार सेवाएं प्रदान करना।

- लघु उत्पादकों के लिए बाजार संपर्क और मूल्य श्रृंखला विकास को सुगम बनाना।
- वर्ल्डफिश और अन्य अन्तर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ समन्वय स्थापित करना।
- मछली उत्पादन और रोग प्रबंधन के लिए डेटा संग्रह और निगरानी प्रणालियों में सुधार करना।
- प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा और पोषण संबंधी परिणामों को बेहतर बनाना।
- लाभार्थियों (मछली पालकों, हैचरी मालिकों, युवा समूहों) को आधुनिक मछली बीज उत्पादन, पालन-पोषण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण देना।
- मछली पालन प्रणालियों में सर्वोत्तम प्रथाओं के व्यावहारिक अनुभव के लिए प्रदर्शन मॉडल और शिक्षण मंच स्थापित करना।
- नीति कार्यान्वयन, निगरानी, गुणवत्ता नियंत्रण और सलाहकार सेवाओं में सरकारी अधिकारियों ,मत्स्य विभाग, की दक्षता विकास करना।
- तकनीकी नवाचारों को अपनाने को बढ़ावा देना (जैसे, प्रजनन सामग्री प्रबंधन, बायोफ्लॉक, हैचरी स्वचाल)।

2. योजना का औचित्य

वर्ल्डफिश सेंटर (पूर्व नाम ICLARM) पूर्व में फिलिपींस के मनीला में स्थित था, वर्तमान में यह सेंटर मलेशिया में स्थित है एक अंतरराष्ट्रीय, गैर-लाभकारी अनुसंधान संगठन है जो सस्टेनेबल मत्स्य पालन के माध्यम से खाद्य सुरक्षा, पोषण और आजीविका में सुधार के लिए समर्पित है। वर्ल्डफिश एशिया, अफ्रीका और प्रशांत क्षेत्र में कार्यरत है, वर्ल्डफिश विज्ञान-आधारित समाधान विकसित करता है जो समुदायों को उत्पादकता बढ़ाते हुए जलीय संसाधनों का जिम्मेदारी से प्रबंधन करने में अहम भूमिका निभा रहा है। फिश जेनेटिक इम्प्रूवमेंट क्षेत्र में इस संस्था को विशेषज्ञता है। यह संस्था कई महाद्वीपों में अपनी सेवाएँ दे रहा है।

उत्तर प्रदेश मत्स्य पालन क्षेत्र पिछले 10 वर्षों में विकसित हुआ है, इस परियोजना की भूमिका उत्तर प्रदेश में मत्स्य पालन उत्पादन को गति देने के लिए गुणवत्तापूर्ण मछली के बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता महत्वपूर्ण है। यह परियोजना राज्य में मछली के उत्पादन और वितरण में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक कदम है, जिससे उत्तर प्रदेश से देश के अन्य राज्यों में जलीय कृषि, व्यापार और मछलियों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना के कार्यान्वयन से क्षेत्र में व्यापार और सामान्य उपभोग के लिए मछलियों की उपलब्धता में वृद्धि होगी। बहु-प्रजाति अंतर्देशीय मीठे पानी की मछलियों के गुणवत्तायुक्त बीजों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता वर्तमान समय में जलकृषि के विकास के लिए अत्यधिक महत्तवपूर्ण है।

पूर्वांचल क्षेत्र मात्स्यिकी के दृष्टिकोण से उच्च क्षमता वाला क्षेत्र है। पूर्वांचल में, विशेष रूप से गोरखपुर, महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, मऊ, आजमगढ़ और जौनपुर में मत्स्य पालन का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह क्षेत्र बिहार, पश्चिम बंगाल और नेपाल जैसे राज्यों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, जिससे पूर्वांचल क्षेत्रों से मछली व्यापार की अपार संभावनाएँ उपलब्ध हैं।Ø उत्तर प्रदेश राज्य के पूर्वांचल क्षेत्र में वर्ल्ड फिश प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन होने से उत्तर प्रदेश में मत्स्य पालन विभाग ,गैर सरकारी संगठनों, मत्स्य के कृषि व अनुसन्धान केन्द्रों और स्थानीय समुदायों के साथ साझेदारी के माध्यम से

अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, प्रदर्शन यात्राओं, क्षेत्रीय प्रदर्शनों के माध्यम से क्षमता निर्माण और नीतिगत समर्थन के माध्यम से मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने में सहयोग प्राप्त होगा। अतः वर्ल्ड फिश सेंटर का एक फिशरीज प्रोजेक्ट केंद्र जनपद गोरखपुर में स्थापित कराया जाना मात्सियिकी के विकास के हित में होगा।

प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, बस्ती, संतकबीर नगर आदि में लाखों छोटे और सीमांत मछली किसान हैं। कई लोग अनियमित आय वाली कृषि पर निर्भर हैं। मत्स्य पालन उच्च लाभ प्रदान करता है। यहां एक केंद्र सीधे रोजगार, कौशल विकास और आजीविका वृद्धि का समर्थन करेगा। पूर्वांचल क्षेत्र उत्तर प्रदेश के लगभग 35 से 40 प्रतिशत मछली उत्पादन में योगदान देता है। जनपद गोरखपुर इंडो-गंगा के मैदान में स्थित, उत्कृष्ट जलीय भूगोल और व्यापक भूजल उपलब्धता (अधिकांश ब्लॉक 'सुरक्षित' श्रेणी में हैं)। यहाँ भूजल स्तर उथला है, जो जलीय कृषि के लिए उपयुक्त है। राप्ती और अन्य नदियों की निकटता सतह जल स्रोतों की उपलब्धता सुनिश्चित करती है।

3. योजना का क्रियान्वयन-

यह योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू की जाएगी। वर्ल्ड फिश उत्तर प्रदेश मत्स्य परियोजना प्रारंभिक रूप से गोरखपुर क्षेत्र के लिए 3 वर्ष की अवधि के लिए संचालित की जाएगी। यह परियोजना PPP मॉडल पर काम करेगा। राज्य सरकार का मत्स्य विभाग परियोजनाओं का निर्माण और स्वामित्व करेगा, जबकि संचालन और प्रबंधन सरकारी मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण MoU के तहत वर्ल्ड फिश सेंटर को सौंप दिया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत वर्ल्ड फिश द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मत्स्यपालन विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी, नियमित संपर्क, हैचरी योजनाओं के उचित संचालन और मासिक प्रगति समीक्षाओं के माध्यम से पूर्वांचल क्षेत्र में उत्तर प्रदेश मत्स्य विभाग को मजबूत किया जायेगा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक्सपोजर विजिट और व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा, नियमित तकनीकी सहायता प्रदान करते हुए व्यावसायिक पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण बीज का सफल उत्पादन सुनिश्चित किये जायेंगे।

3.1 योजना अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियां प्रस्तावित है -

- योजना अंतर्गत वर्ल्डफिश के कार्यों में मत्स्य पालकों, इक्स्टेन्शन कर्मचारियों, शोधकर्ताओं और निजी क्षेत्र के हितधारकों को प्रशिक्षण देकर क्षमता निर्माण करना शामिल है।
- इस परियोजना के माध्यम से स्टेट ऑफ़ आर्ट प्रशिक्षण और प्रदर्शन के लिए भौतिक सुविधाओं का विकास, प्रशिक्षण कक्षों और कक्षाओं का निर्माण/नवीनीकरण, व्यावहारिक प्रदर्शन इकाइयों की स्थापना, एक्वाकल्चर तालाब/टैंक, हैचरी और नर्सरी इकाइयाँ, बायोफ्लॉक/आरएएस इकाइयाँ, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) से सुसज्जित कक्षाएँ और ई-लर्निंग सुविधाएँ, छात्रावास/आवास सुविधाएँ (वैकल्पिक), जल गुणवत्ता और मछली के बुनियादी स्वास्थ्य निदान के लिए प्रयोगशाला आदि सुविधाएँ विकसित किए जाएंगे।
- वर्ल्डफिश उत्तर प्रदेश मत्स्य परियोजना के माध्यम से मछली और मत्स्य बीज उत्पादन पर केंद्रित अत्याधुनिक मत्स्य अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र स्थापना, गुणवत्तापूर्ण बीज की आपूर्ति के लिए हैचरी विकास और फिंगरलिंग का समर्थन, मत्स्य विभाग के अधिकारियों एवं मत्स्य पालकों को तकनीकी प्रशिक्षण और विस्तार सेवाएं प्रदान करना आदि

सम्मिलित है ।

- योजना अंतर्गत प्रशिक्षण केंद्र, वाटर क्वालिटी, रोग प्रबंधन टेस्टिंग लैब आदि की सुविधाए स्थापित की जाएगी, लघु उत्पादकों के लिए बाजार संपर्क और मूल्य श्रृंखला विकास को सुगम बनाना, वर्ल्डफिश और अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ समन्वय स्थापित करना।

4. परियोजना का क्रियान्वन में वर्ल्डफिश की भूमिका:

- वर्ल्डफिश द्वारा पेंगेसियस ,GIFT तिलपिया के हैचरी बीज उत्पादन हेतु हैचरी संचालक के हैचरी परिसर /मत्स्य प्रक्षेत्र में आवश्यक सुविधाये विकसित कराने हेतु तकनीकी सहयोग प्रदान करना। जिसमें हैचरी की आवश्यक सुविधाओं को विकसित करने के लिए तकनीकी हैण्ड-होल्डिंग उपलब्ध करायी जाएगी, जिसमे प्रजनन से लेकर, स्पान, फ्राई, फिंगरलिंग्स बीज उत्पादन से सम्बन्धित गतिविधियाँ तकनीकी विशेषज्ञ के देख-रेख में सम्पादित की जाएगी। वर्ल्ड फिश के तकनीकी विशेषज्ञ, ब्रूड स्टॉक की खरीद से लेकर फिंगरलिंग पालन तक, हैचरी संचालन के सभी चरणों में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।
- वर्ल्ड फिश द्वारा आनुवंशिक रूप से उन्नत प्रजाति की मछली जैसे पेंगेसियस , GIFT तिलपिया अमृत कतला, जयन्ती रोहू, अमुर कॉमन कार्प की बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण हेतु State Brood Stock Multiplication & Research Facility for nucleus brood bank तथा pedigree germplasm conservation सुविधा विकसित करने में तकनीकी सहयोग प्रदान करना।
- योजना अंतर्गत मत्स्य विभाग के तकनीकी अधिकारीयों एवं चयनित हैचरी स्वामियों तकनीकी रूप से दक्ष किए जाने हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मात्स्यिकी संस्थानों में प्रशिक्षण और एक्सपोजर विजिट कराना।

5. परियोजना का अनुमोदन, प्रबंधन, निगरानी और पर्यवेक्षण

परियोजना के सफल कार्यान्वयन हेतु त्रिस्तरीय अनुश्रवण स्थल चयन, तालाब सुधार, मत्स्य बीज संचय, मत्स्य पूरक आहार आदि निवेशों के उपयोग के समय जनपद एवं मण्डल स्तर पर वर्ल्ड फिश के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ संयुक्त रूप से किया जायेगा, जिसका औचक सत्यापन समय-समय पर मुख्यालय स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया जायेगा। परियोजना अवधि में महत्वपूर्ण घटकों का साक्ष्य जियोटैग फोटोग्राफ/वीडियोग्राफी के माध्यम से जनपद स्तर पर अभिलेखार्थ सुरक्षित किया जायेगा। मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव मत्स्य की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय अनुमोदन एवं निगरानी समिति का गठन किया जाएगा। समिति के सदस्य निम्नलिखित हैं:

- अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव मत्स्य -अध्यक्ष
- महानिदेशक मत्स्य -सदस्य
- निदेशक मत्स्य - सदस्य
- संयुक्त निदेशक मत्स्य - सदस्य सचिव
- उपनिदेशक नियोजन - सदस्य
- वर्ल्ड फिश द्वारा नामित प्रतिनिधि- सदस्य
- वर्ल्ड फिश द्वारा नामित -प्रोजेक्ट मैनेजर
- उल्लिखित गतिविधियों में लाभार्थी चयन का प्रस्ताव मदवार बजट का प्रस्ताव, दिशा-निर्देश

में आवश्यक संशोधन इत्यादि अथवा योजना से संबंधित कोई अन्य प्रस्ताव का अनुमोदन राज्य स्तरीय अनुमोदन एवं निगरानी समिति के माध्यम से ही प्राप्त किया जाएगा।

- योजना अंतर्गत उल्लिखित गतिविधियों के कार्यान्वयन, अनुमोदन, गतिविधियों की प्रगति, निगरानी और समीक्षा करने के लिए राज्य स्तरीय अनुमोदन एवं निगरानी समिति आवश्यकतानुसार बैठक करेगी।
- राज्य स्तरीय निगरानी समिति आवश्यकतानुसार मंडलीय/जनपदीय अधिकारी द्वारा किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेगी और आवश्यक मार्गदर्शन एवं सलाह देगी।

6- अनुमानित लागत और वित्तपोषण

वर्ल्डफिश उत्तर प्रदेश मत्स्य योजना शत-प्रतिशत राज्य पोषित परियोजना है।
योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में निम्न मदों में बजट प्रविधानित है:
अनुदान सं०-17 101-अन्तर्देशीय मत्स्य पालन-लेखा शीर्षक 4405- मछली पालन-पूर्वांचल में वर्ल्डफिश उ०प्र० फिशरीज प्रोजेक्ट हेतु रु० 600.00 लाख (रु० छह करोड़ मात्र) बजट प्रविधानित है।

7. वर्ल्ड फिश योजना के संचालन के परिणाम/ आउटकम्स-

- उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में क्रियान्वित में वर्ल्ड फिश उत्तर प्रदेश योजना अंतर्गत उन्नत प्रजनन कार्यक्रम, प्रजाति विविधीकरण मछली आहार, रोग अनुसंधान, बीज गुणवत्ता सुधार आदि क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करेगा।
- उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में वर्ल्ड फिश उत्तर प्रदेश योजना के संचालित होने से वैज्ञानिक मत्स्य प्रजनन, आनुवंशिक रूप से उन्नत प्रजाति की उच्च गुणवत्ता वाले मत्स्य प्रजातियों के बीज उत्पादन एवं पालन, रोग प्रबंधन, प्रजाति विविधीकरण , मिश्रित मत्स्य पालन, मत्स्य उत्पाद के मूल्य संवर्धन आदि गतिविधियों में सुधार आएगा।
- योजना के माध्यम से प्रशिक्षण ,अनुसंधान और विकास को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही शोध संस्थाए जैसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबद्ध कृषि /मत्स्य विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र एवं मत्स्य विभाग,उ०प्र० के मध्य साझेदारियाँ बनेगी, जो स्थानीय जलीय जैव विविधता, रोग प्रबंधन, आहार दक्षता और पर्यावरण-अनुकूल जलीय कृषि पद्धतियों पर अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा जिससे मत्स्य गतिविधियों का सर्वांगीण विकास होगा।
- उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में में वर्ल्ड फिश उत्तर प्रदेश योजना के संचालन होने से क्षेत्र की प्राकृतिक क्षमता को उजागर करने, आजीविका बढ़ाने, तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने और राज्य के मत्स्य विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- वर्तमान में उत्तर प्रदेश का मत्स्य उत्पादन 13.31 लाख टन के साथ देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश के मत्स्य उत्पादन में वृध्ही लाने के लिए उच्च उपज वाली जेनेटिकली इम्प्रूव्ड मत्स्य प्रजातियों के बीज उत्पादन एवं मत्स्य पालन से संबंधित तकनीक से दक्ष होने पर मत्स्य विभाग को सहयोग प्राप्त होगा इस हेतु फिश जेनेटिक अनुसंधान में विशेषज्ञता रखने वाली संस्था वर्ल्ड फिश के माध्यम से संचालित में वर्ल्ड फिश उत्तर प्रदेश योजना भविष्य के लिए एक दीर्घकालिक निवेश साबित होगा। उपरोक्त के अतिरिक्त प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था तथा विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के प्रस्तावित लक्ष्यों

को (वर्तमान GSVA 22,000 करोड़ से मार्च 2028 तक 45,000 करोड़, मार्च 2030 तक 55,000 करोड़ एवं मार्च 2047 तक 1.20 लाख करोड़ GSVA) प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

3- यह भी सुनिश्चित किया जाय कि योजना के संचालन में द्विरावृत्ति न हो।

Digitally signed by
Mukesh Kumar Meshram
Date: 06-10-2026 20:24:36

(मुकेश कुमार मेश्राम)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या-47 /2026/1323(1)/ सत्रह-म-2026 तददिनांक

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. सचिव, मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
2. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, न्याय/नियोजन/ वित्त विभाग, उ0प्र0 शासन।
3. विशेष कार्याधिकारी,कृषि उत्पादन आयुक्त,उ0प्र0 शासन।
4. समस्त मण्डलायुक्त, उ0प्र0।
5. समस्त जिलाधिकारी, उ0प्र0।
6. प्रबन्ध निदेशक,उ0प्र0 मत्स्य विकास निगम लि0 लखनऊ।
7. प्रबन्ध निदेशक,उ0प्र0 मत्स्य जीवी सहकारी संघ लि0 लखनऊ।
8. निदेशक, लेखन एवं मुद्रण सामग्री, प्रयागराज को आगामी गजट में प्रकाशनार्थ प्रेषित।
9. समस्त उप निदेशक मत्स्य, उ0प्र0।
10. समस्त सहायक निदेशक मत्स्य/ मुख्य कार्यकारी अधिकारी उ0प्र0।
11. समस्त मुख्य विकास अधिकारी/ अधिशासी निदेशक, मत्स्य पालक विकास अभिकरण उ0प्र0।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

Digitally signed by
ASHOK KUMAR SAROJ
Date: 07-10-2026 11:39:18

(अशोक कुमार सरोज)
अनु सचिव।